STUDY NOTES · BASIC CONCEPT

कॉन्ट्रा फंड (Contra Fund) क्या

होते हैं ? फायदे और नुक्सान ?

Indian Economy
26 Jan 2015

कॉन्ट्रा फंड (Contra Fund) एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो
बाजार की सामान्य धारणा के विपरीत निवेश करता है, जिसे 'कंट्रेरियन
निवेश रणनीति ' कहा जाता है. इसका मतलब है कि जब कोई सेक्टर या कंपनी
नकारात्मक माहौल के कारण कमज़ोर समझी जाती है या उसके शेयर सस्ते
हो जाते हैं, तब कॉन्ट्रा फंड उसमें निवेश करता है. फंड मैनेजर का
मानना है कि बाजार अक्सर अत्यधिक डर या उत्साह में शेयरों की गलत
कीमत तय कर देता है, और जो शेयर वर्तमान में कमजोर दिख रहे हैं, वे
भविष्य में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं क्योंकि उनकी बुनियाद
मजबूत होती है.

सेबी (SEBI) के नियमों के अनुसार , कॉन्ट्रा फंड को अपनी कुल संपत्ति का
कम से कम 65% इक्विटी और इक्विटी से संबंधित इंस्ट्रूमेंट्स में
निवेश करना आवश्यक है.

उदाहरण

मान लीजिए कि किसी समय आईटी सेक्टर में मंदी आ गई, कंपनियों के
मुनाफे घटने लगे, शेयरों के दाम नीचे चले गए और निवेशक आईटी शेयर
बेचने लगे. ऐसे माहौल में ज्यादातर लोग आईटी सेक्टर से दूर रहना
चाहते हैं. लेकिन कॉन्ट्रा फंड का नजरिया अलग होता है. फंड मैनेजर
यह देखता है कि क्या इन कंपनियों की बुनियाद अब भी मजबूत है, क्या
उनका बिजनेस मॉडल टिकाऊ है और क्या लंबी अवधि में हालात सुधर सकते
हैं. यदि जवाब हां है, तो फंड उसी समय निवेश कर सकता है. SBI कॉन्ट्रा
फंड और कोटक इंडिया EQ कॉन्ट्रा फंड इसके कुछ उदाहरण हैं.

कॉन्ट्रा फंड के फायदे (Advantages of Contra Funds):

1. उच्च रिटर्न की संभावना : यदि फंड मैनेजर का अनुमान सही साबित
होता है और सेक्टर या कंपनी में सुधार आता है, तो निवेशकों को

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

अच्छा रिटर्न मिल सकता है. सस्ते दाम पर खरीदे गए शेयर जब ऊपर
जाते हैं, तो मुनाफा तेजी से बढ़ता है.
2. कम डाउनसाइड जोखिम : कॉन्ट्रा फंड कम मूल्य वाले स्टॉक पर
ध्यान केंद्रित करके व्यापक बाजार में गिरावट आने पर नुकसान
को सीमित कर सकते हैं.
3. विविधीकरण (Diversification): ये फंड ऐसे स्टॉक्स में निवेश करते हैं
जो आमतौर पर बाकी फंड्स के रडार पर नहीं होते, जिससे
पोर्टफोलियो में विविधता आती है
4. बाजार सुधार के विरुद्ध हेजिंग : कॉन्ट्रा फंड ओवरवैल्यूड
सेक्टर से बचते हैं, जो बाजार में सुधार या अत्यधिक उत्साह की
अवधि के दौरान एक प्राकृतिक हेज प्रदान करता है.
5. लंबे समय में बेहतर प्रदर्शन की क्षमता : कॉन्ट्रा फंड का
उद्देश्य बाजार की अक्षमताओं का लाभ उठाकर लंबी अवधि में
रिटर्न उत्पन्न करना है.

कॉन्ट्रा फंड के नुकसान (Disadvantages of Contra Funds)

1. उच्च जोखिम : कॉन्ट्रा फंड में जोखिम कम नहीं होता है. बाजार का
नजरिया बदलने में समय लग सकता है, और कभी -कभी जिस सेक्टर से
उम्मीद की जाती है, वहां सुधार देर से आता है या आता ही नहीं.
2. कमजोर रिटर्न की संभावना : यदि अनुमान गलत साबित होता है, तो
निवेशक को कुछ साल तक कमजोर रिटर्न भी देखना पड़ सकता है.
3. फंड मैनेजर के निर्णय पर निर्भरता : कॉन्ट्रा रणनीति की
सफलता फंड मैनेजर की अंतर्दृष्टि और सही स्टॉक चुनने की
क्षमता पर बहुत अधिक निर्भर करती है.
4. धैर्य की आवश्यकता : कॉन्ट्रा फंड उन निवेशकों के लिए उपयुक्त
हैं जो लंबी अवधि तक निवेश कर सकते हैं और बाजार के उतार -चढ़ाव
से घबराते नहीं हैं. जल्दी मुनाफा कमाने वालों के लिए यह रणनीति
चुनौतीपूर्ण हो सकती है.
5. बुल मार्केट में अंडरपरफॉर्मेंस : ये फंड शॉर्ट टर्म में
व्यापक बाजार को कम कर सकते हैं, खासकर मजबूत बाजार रैली के
दौरान . संक्षेप में, कॉन्ट्रा फंड उन निवेशकों के लिए एक अच्छा
विकल्प हो सकते हैं जो उच्च जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं,
लंबी अवधि का निवेश क्षितिज रखते हैं और बाजार के विपरीत चलने
में विश्वास रखते हैं.

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias